सफलता की कहानी

प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई एवं अन्य योजनाओं पर आधारित

प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत मंगरा साहू पिता- स्व० मोकुला साहू ग्राम-टैसेरा पंचायत-वृंदा, प्रखण्ड- गुमला के द्वारा आधुनिक विधि एवं एकीकृत खेती की जा रही है।

वो एकीकृत खेती देखने सबसे पहले हरियाणा गए जहाँ उन्होंनें गौ पालन देखा और पूर्ण जानकारी ली तत्पश्चात उन्होंने भुवनेश्वर में मछली पालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया , बंगाल एव राँची में भी मछली एवं मुर्गी पलन की जानकारी विभाग की सहायता से लिया। केले की खेती हेतु उन्हें विभाग के तरफ से घाघरा ले जाया गया।

मंगरा साहू का पालन-पोषण एक साधारण किसान परिवार में हुआ है। इनके पिता के हिस्से में करीब 3 एकड़ जमीन है जिसमें वे सिर्फ धान और उरद की खेती करते थे। जिससे उनका सिर्फ गुजारा होता था। धान एवं उरद बेचकर बच्चों का पालन-पोषण करते थे।

मंगरा साहु ने अपनी पढ़ाई 5वीं तक की है। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण आगे की पढ़ाई पूरा नहीं कर पाये। उच्चस्तरीय पढ़ाई नहीं कर पाने के कारण इन्होंने खेती करने का मन बनाया। इसलिए उन्होंने आधुनिक तरीके से एकीकृत खेती 5 एकड़ में करना शुरू किया। उसमें में से 1/2 एकड़ में केले की खेती 2 एकड़ में मछली पालन बाकी शेष 1/2 एकड़ में में गाय एवं मुर्गी पालन कर रहे है।

शुरूआत में इन्हें सिंचाई संबंधित काफी परेशानियाँ हुई। खाद एवं दवा का खर्च भी काफी बढ़ जाता था। पानी का जरूरत बहुत अत्याधिक मात्रा में होता था।

एवं मजदूरी खर्च भी काफी ज्यादा था। जिसमें काफी परेशानियाँ उठानी पढ़ती थी। सही तकनीकी का अभाव होने के कारण कम पैदावार एवं कम मुनाफा होता था। पानी के अभाव के कारण सिर्फ एक ही खेती कर पाते थे। 30-40 हजार रूपया तक ही फसल बेचने पर मुनाफा होता था।

प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधन ने क्षेत्र भमण के दौरान इन्हें खेतों में टपक सिंचाई लगाने के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही साथ टपक सिंचाई के विषय में विस्तृत जानकारी भी दी। उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत कृषि विभाग के द्वारा (टपक सिंचाई विधि) 90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप सिस्टम लगाया गया।

केले की खेती करने में करीब 50-60 हजार का खर्चा होता है, और पानी की सुविधा नहीं हाने के कारण अन्य फसलों की खेती करने में परेशानियाँ होती थी।

कृषि विभाग द्वारा इन्हें पंपसेट, खाद बीज एवं डोलामाइट अन्य की सुविधाँए दी गई। धीरे–धीरे खेती करने के तरीके को लेकर लोगो में चर्चा शुरू हुई अब अन्य किसान भी ड्रिप के विषय में जानने लगे हैं। साथ ही साथ टपक सिंचाई की सुविधा भी किसान ले रहे है।

मंगरा साहू अब अपनी खेती पर उत्सुकता जताई है, साथ ही साथ अन्य किसानों को भी आधुनिक विधि से खेती एवं एकीकृत खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। वर्तमान जिला कृषि पदाधिकारी गुमला, श्री अशोक सिन्हा एवं प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक गुमला के द्वारा क्षेत्र भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया और वे कृषि विधि से काफी प्रभावित हुए।